संतों के आशीर्वाद से मिलती है सद्कार्य की प्रेरणा : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर ग्राम चिरोला फंटा स्थित संत श्री निजानंद धाम आश्रम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने आश्रम में श्री सचिदानंद महाराज की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने आश्रम स्थित शिव मंदिर में रुद्राभिषेक और षोडशोपचार पूजन किया। इसके बाद संत निजानंद महाराज की गादी पर पूजा-अर्चना कर आरती की। उन्होंने आश्रम में उपस्थित संतों का वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रसादी ग्रहण की। श्री निजानंद धाम सेवा समिति की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। इस दौरान उन्होंने सचिदानंद महाराज के शिष्य विवेक महाराज से मुलाकात की। डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संतों की तपस्या और उनके आशीर्वाद से समाज को सद्कार्यों की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि निजानंद महाराज और स्वामी सचिदानंद जी महाराज ने क्षेत्र में सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत किया। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के भाव के साथ सभी के कल्याण की कामना करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विधायक डॉ. तेज बहादुर सिंह चौहान, रवि सोलंकी, राजेश धाकड़, नरेश शर्मा मौजूद रहे। खाचरौद हेलीपेड पर नागदा निवासी माया तितलिया और मनीषा अखिलेश शर्मा ने मुख्यमंत्री को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने दोनों बहनों का मुंह मीठा कराया और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने विश्व संस्कृत दिवस की दीं हार्दिक शुभकामनाएं

नप्र, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व संस्कृत दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि संस्कृत भारत की ज्ञान, संस्कृति और गौरवशाली परंपरा की आधारशिला है। वेद, उपनिषद, दर्शन और साहित्य की समृद्ध विरासत को संजोए यह शाश्वत भाषा हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है। आइए, विश्व संस्कृत दिवस पर संस्कृत के संरक्षण, संवर्धन और प्रसार का संकल्प लें।

जच्चा-बच्चा की मौत पर दो चिकित्सक और दो नर्सिंग अधिकारी निलंबित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रीवा के गांधी स्मारक चिकित्सालय में प्रसूता और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले को उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों से संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार तथा निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रथम दृष्टया शिकायत और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर दो चिकित्सा शिक्षकों तथा दो नर्सिंग अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। ड्यूटी चिकित्सक डॉ. सोनल अग्रवाल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और डॉ. निधि पाण्डेय, निश्चेतना विभाग को कार्य में गंभीर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित किया गया। नर्सिंग अधिकारियों पर परिजनों से दुर्व्यवहार की शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई है। ग्राम हटवा निवासी श्रीमती कल्पना मिश्रा को 26 अगस्त की सुबह करीब 2:38 बजे प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान रात 11:55 बजे उनकी और गर्भस्थ शिशु की मृत्यु हो गई। चिकित्सकीय अभिलेखों के अनुसार भर्ती के समय उनका प्लेटलेट स्तर करीब 30 हजार प्रति माइक्रोलिटर था। रक्तचाप और लीवर एंजाइम भी बढ़े हुए थे। उन्हें गंभीर प्री-एक्लेम्पसिया, गंभीर थ्रोम्बोसाइटोपीनिया और हेल्प सिंड्रोम का निदान किया गया था। परिजनों की शिकायत पर वरिष्ठ चिकित्सकों की जांच समिति गठित की गई है। रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बालकृष्ण का निधन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ए. बालकृष्ण का कल कन्याकुमारी में निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। आप काफ़ी समय से अस्वस्थ थे। उनकी अंत्येष्टि कल 29 अगस्त को कन्याकुमारी में की जाएगी।

उन्हें 2020 में पद्मविभूषण से अलंकृत पी. परमेश्वरन के स्थान पर अध्यक्ष मनोनीत किया गया था। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के भोपाल में 45 बंगले स्थित मध्य प्रदेश कार्यालय में 30 अगस्त को शाम 5.00 बजे श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई है।

आपका जन्म 3 मई 1938 को केरल में हुआ। आपने भारतीय वायु सेना में भी अपनी सेवाएँ दी। विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के संस्थापक एकनाथ रानडे से प्रभावित होकर वे 1973 में एक जीवनव्रती कार्यकर्ता के रूप में विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी से जुड़े। स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक फैलाने के लिए आपने पूर्वोत्तर और दक्षिण के राज्यों में काफ़ी कार्य किया।

ग्रामीण इलाकों से बाल विवाह रोकने सक्रियता बढ़ी

- आगर मालवा में सबसे गंभीर स्थिति
- एनएफएचएस-6 के आंकड़ों में आगर मालवा में बाल विवाह का अनुपात 49.4 प्रतिशत
- ग्रामीण क्षेत्रों में समस्या अधिक

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में बाल विवाह रोकने के प्रयासों के बावजूद कई जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़ों के अनुसार आगर मालवा में 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 49.4 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष की उम्र से पहले हुआ। यानी जिले में इस आयु वर्ग की करीब हर दूसरी महिला की शादी बालिग होने से पहले हो गई। एनएफएचएस-5 में यह अनुपात 35.6 प्रतिशत था, जो पांच साल में बढ़कर 49.4 प्रतिशत हो गया। इस तरह जिले में 13.8 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बाल विवाहः सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। एनएफएचएस-6 में शहरी मध्यप्रदेश में 20 से 24 वर्ष की 9 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हुआ, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात 23.4 प्रतिशत रहा। इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह की स्थिति शहरों की तुलना में ढाई गुने से भी अधिक है।

आगर मालवा में सबसे अधिक बढ़ोतरी

आगर मालवा में बाल विवाह का अनुपात एनएफएचएस-5 के 35.6 प्रतिशत से बढ़कर एनएफएचएस-6 में 49.4 प्रतिशत हो गया। यह प्रदेश के 20 प्रतिशत औसत से करीब ढाई गुना है। पांच वर्षों में 13.8 प्रतिशत अंक की वृद्धि प्रदेश के जिलों में सबसे अधिक बताई गई है। रिपोर्ट में दिए गए जिलेवार आंकड़े 20 से 24 वर्ष की महिलाओं की विवाह आयु पर आधारित हैं। इन्हें किसी एक वर्ष में दर्ज बाल विवाह के मामलों की संख्या नहीं माना जा सकता।

प्रदेश स्तर पर स्थिति में मामूली सुधार

प्रदेश में एनएफएचएस-5 के दौरान 20 से 24 वर्ष की 23.1 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हुआ था। एनएफएचएस-6 में यह अनुपात घटकर 20 प्रतिशत रह गया है। यानी राज्य स्तर पर 3.1 प्रतिशत अंक की कमी आई है। इसके बावजूद प्रदेश में हर पांच में से एक महिला का विवाह 18 वर्ष से पहले होने की स्थिति सामने आई है।

नेपाल फ्लैश फ्लड में 29 तीर्थयात्री लापता भोपाल में परिजन अपनों की तलाश में

- आखिरी फोन पर बोले- हम नहीं बच पाएंगे बच्चों का ख्याल रखना
- टूटा त्रिशूली पुल बना बाधा
- लापता सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नेपाल के गोसाईंकुंड तीर्थ यात्रा पर गए 29 लोगों के फ्लैश फ्लड के बाद लापता होने की जानकारी सामने आई है। भोपाल में रह रहे नेपाल मूल के परिवारों के मुताबिक लापता सभी लोग आपस में रिश्तेदार हैं।

इनमें जेठ-जेठानी, देवर-देवरानी, दीदी-जीजाजी समेत परिवार के कई सदस्य शामिल हैं। भोपाल निवासी देवकी अधिकारी के परिवार के चार सदस्य भी इस समूह में शामिल हैं। देवकी अधिकारी ने बताया कि पूर्णिमा के अवसर पर सभी लोग गोसाईंकुंड तीर्थ यात्रा के लिए गए थे। रास्ते में खाना खाने के दौरान उन्हें आगे बाढ़ आने और खतरे की जानकारी मिली। इसके बाद सभी लोग खाना और सामान छोड़कर जान बचाने के लिए पहाड़ की ओर भागे और एक घर की छत पर शरण ली।

परिजनों ने फोन पर बताया कि जिस बस से वे यात्रा कर रहे थे, वह बाढ़ में बह गई है। इसके बाद आखिरी बार सुबह करीब 9:30 बजे बातचीत हुई। फोन पर उन्होंने बताया कि आधा घर डूब चुका है और शायद वे नहीं बच पाएंगे। साथ ही बच्चों का ख्याल रखने की बात कही। बातचीत के कुछ देर बाद फोन से आवाज आना बंद हो गई। इसके बाद से सभी 29 लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है।

परिजनों के मुताबिक अभी तक किसी का शव भी बरामद नहीं हुआ है। त्रिशूली नदी पर बना पुल टूट जाने से राहत और संपर्क में परेशानी बढ़ गई है। सामान्य रास्ता बंद होने के कारण घटनास्थल तक पहुंचने में अब छह से आठ घंटे लग रहे हैं।

राजधानी में प्रॉपर्टी टैक्स पर 6 प्रतिशत छूट

- अवकाश में भी खुले रहेंगे कार्यालय
- उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए शनिवार-रविवार और सोमवार को भी जमा होगा संपत्ति कर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में संपत्ति कर जमा करने वाले करदाताओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 के कर भुगतान पर छह प्रतिशत की छूट मिलेगी। छूट का लाभ लेने के लिए अब केवल तीन दिन शेष हैं। करदाताओं की सुविधा को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शनिवार और रविवार, अवकाश के दिनों में भी सभी वार्ड एवं जोन कार्यालय खुले रखने का निर्णय लिया है। सोमवार को भी विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे, ताकि करदाता निर्धारित अवधि में अपने संपत्ति कर का भुगतान कर सकें।

करदाता नगर निगम के किसी भी वार्ड कार्यालय में संपत्ति कर जमा कर सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन माध्यम से भी कर भुगतान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके लिए करदाता निगम की वेबसाइट का उपयोग कर सकेंगे। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने संबंधित अमले को अवकाश के दिनों में भी कार्यालयों में उपस्थित रहने और करदाताओं को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

राजधानी के बोट क्लब पर शुक्रवार को सैलानियों की भीड़ रही। सुहावना मौसम और अवकाश का दिन होने के कारण उपस्थिति अधिक रही।

सात साल बाद कोरल कासा में पहुंचा नर्मदा जल

- 12 साल बाद मिला आवास का पजेशन
- कॉलोनी सेल की पहल से वर्षों से लंबित पेयजल, पजेशन, सीमांकन और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों का निराकरण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी की कोरल कासा कॉलोनी में वर्ष 2018 से लंबित नर्मदा जल आपूर्ति की समस्या का समाधान हो गया है। वहीं पिंक सिटी और जीएमवी अनंता फेज-1 में करीब 12 वर्षों से लंबित आवास के पजेशन भी रहवासियों को दिलाए गए हैं। जिला प्रशासन की कॉलोनी सेल की पहल पर नियमित समीक्षा, निगरानी और विभागीय समन्वय के माध्यम से वर्षों पुराने प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है।

कोरल कासा के रहवासियों ने वर्ष 2018 से लंबित नर्मदा जल आपूर्ति की समस्या कॉलोनी सेल के समक्ष रखी थी। अपर कलेक्टर सुमित पांडेय ने बिल्डर और रहवासियों के साथ बैठक कर समाधान पर सहमति बनाई। नर्मदा जल कनेक्शन और आवश्यक अधोसंरचना के लिए 18 लाख 42 हजार रुपये की लागत तय हुई। इसमें रहवासियों ने 10 लाख रुपये तथा शेष राशि बीएम रियल्टी ने वहन की। आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद कॉलोनी में नर्मदा जल आपूर्ति शुरू कराई गई। पिंक सिटी कॉलोनी में दो परिवार करीब 12 वर्षों से आवास के पजेशन का इंतजार कर रहे थे। कॉलोनी सेल ने बिल्डर से समन्वय कर दोनों परिवारों को उसी दिन पजेशन दिलाया। जीएमवी अनंता फेज-1 में गोविंद दास वैष्णव के डुप्लेक्स क्रमांक 123 का पजेशन भी करीब 12 वर्षों से लंबित था। स्थल निरीक्षण के बाद आवश्यक जल और विद्युत कनेक्शन सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर 12 अगस्त 2026 को पजेशन दिलाया गया। गायत्री गृह निर्माण सोसायटी में लंबे समय से लंबित सीमांकन कराया गया। इसके बाद रहवासियों को पजेशन दिलाने की प्रक्रिया शुरू की गई। भविष्य मेट्रो सिटी में सीवेज, साफ-सफाई, लिफ्ट संचालन और पानी की टंकी से जुड़ी समस्याओं का समाधान कराया गया। जैन नगर कॉलोनी में पानी की टंकी में लीकेज की शिकायत पर वैकल्पिक जलापूर्ति शुरू कराई गई। रेरा के एक प्रकरण में अंकिता सिन्हा को कुल 13 लाख 60 हजार 250 रुपये की लंबित राशि चेक के माध्यम से दिलाई गई।

लघु उद्योग भारती और मैनिट के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी अंगीकरण कार्यक्रम के तहत अकादमिक और औद्योगिक क्षेत्र के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी ने बताया कि संगठन अकादमिक और उद्योग जगत के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है। इस समझौते का उद्देश्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को आधुनिक तकनीक, अनुसंधान, नवाचार और विशेषज्ञता से जोड़ना है।समझौते के तहत तकनीक विकास एवं हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, स्टार्टअप और उद्यमिता विकास, विद्यार्थियों के इंटर्नशिप एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, एमएसएमई परामर्श एवं क्षमता निर्माण, उद्योग 4.0, डिजिटल परिवर्तन और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल से एमएसएमई को नई तकनीकों, शोध विशेषज्ञता और नवाचार का लाभ मिलेगा। वहीं विद्यार्थियों और शिक्षकों को वास्तविक औद्योगिक समस्याओं पर काम करने तथा उद्योग जगत का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के अवसर मिलेंगे। इससे युवा प्रतिभाओं और शोध विशेषज्ञता का लाभ एमएसएमई को मिलेगा, जिससे तकनीकी उन्नयन, रोजगार और नवाचार को गति मिलने की उम्मीद है। समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम में मैनिट भोपाल की ओर से संस्थानिक विकास एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों की अधिष्ठाता डॉ. अनुपमा शर्मा, डॉ. अमित भगत और डॉ. मनीष विश्वकर्मा मौजूद रहे। लघु उद्योग भारती मध्यप्रदेश की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, अरविंद काले, विनोद नायर, नितिन कामऋषि, रश्मि गुर्जर, मितेश लोकवानी, शुभा कामऋषि और शेखर दुधांडे उपस्थित रहे।

शाहपुरा में आज जनकल्याण शिविर

- पीएम स्वनिधि, पेंशन योजनाओं सहित राजस्व और विद्युत संबंधी शिकायतों का होगा निराकरण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नागरिकों को भारत सरकार और मप्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के शाहपुरा सी सेक्टर स्थित जोन क्रमांक 06 के कार्यालय परिसर में शनिवार, 29 अगस्त को जनकल्याण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शुरू होगा। शिविर में पीएम स्वनिधि योजना सहित दिव्यांग, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही राजस्व विभाग, विद्युत विभाग और लोक सेवा गारंटी के अंतर्गत लंबित प्रकरणों एवं शिकायतों का त्वरित गति से निराकरण किया जाएगा।

मामला *तृप्ति सिंह पर एक और एफआईआर...*

खुद को ट्रेनी आईएएस बताकर 39.17 लाख की ठगी

- एमपीटी की होटल-रिसोर्ट संपत्ति लीज कराने और नौकरी दिलाने का दिया झांसा, दो भाइयों पर भी केस

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः खुद को ट्रेनी आईएएस और मध्यप्रदेश पर्यटन में एडिशनल डायरेक्टर बताने वाली तृप्ति सिंह के खिलाफ बागसेवनियां थाने में धोखाधड़ी का एक और मामला दर्ज हुआ है। इस बार बालाघाट निवासी 29 वर्षीय रोहित लिल्हारे ने उस पर होटल-रिसोर्ट की संपत्तियां लीज पर दिलाने और नौकरी लगवाने का झांसा देकर 39.17 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। मामले में तृप्ति के भाई सुधांशु सिंह और प्रखर सिंह समेत अन्य सहयोगियों को भी आरोपी बनाया गया है।

एमपीटी की संपत्ति लीज के नाम पर 35.30 लाख लिए

रोहित के मुताबिक तृप्ति ने खुद को मध्यप्रदेश पर्यटन में एडिशनल डायरेक्टर बताते हुए होटल और रिसोर्ट की संपत्तियां लीज पर दिलाने का भरोसा दिया। नौकरी लगवाने का आश्वासन भी दिया गया। तृप्ति के दोनों भाइयों ने भी उसके बताए पद की पुष्टि की, जिससे रोहित और उसके परिचितों को भरोसा हो गया। इसके बाद संपत्ति लीज कराने के नाम पर 35.30 लाख और नौकरी के लिए 3.87 लाख रुपये लिए गए।

सिर्फ एक लाख रुपये लौटाने का आरोप

रोहित का कहना है कि रकम लेने के बाद न तो लीज का काम हुआ और न ही नौकरी लगी। रकम वापस मांगने पर आरोपियों की ओर से कथित तौर पर केवल एक लाख रुपये ऑनलाइन लौटाए गए। बाकी 38.17 लाख रुपये वापस नहीं किए गए। इसके बाद उसने पुलिस में शिकायत की।

फर्जी पहचान और दस्तावेजों की जांच

बागसेवनियां पुलिस ने अपराध क्रमांक 549/2026 दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में फर्जी पहचान और पद का इस्तेमाल कर विश्वास हासिल करने के बाद रकम लेने के तथ्य सामने आए हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि तृप्ति ने खुद को ट्रेनी आईएएस और एडिशनल डायरेक्टर साबित करने के लिए किन दस्तावेजों या पहचान का इस्तेमाल किया। बैंक खातों में रकम के लेनदेन और उसके इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है। पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों की जानकारी भी जुटा रही है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com